हाथरस से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
'भव्य प्रभात'
विज्ञापन व समाचार के लिये सम्पर्क करें–
कार्यालय
7–ऊपरी मंजिल बागला डिग्री कालेज,हाथरस
9319426268,9410427880
Email:-bhavyaprabhat@gmail.com

हाथरस से प्रकाशित दैनिक
भव्य प्रभात
खबर,सच्चाई के साथ

वर्ष 18, अंक 214 | 01 अगस्त 2025 शुक्रवार | हाथरस | पृष्ठ 8 | मूल्य–2/–रूपये स्वागत मूल्य 1/–रूपये

मालेगांव ब्लास्टः सभी आरोपी बरी

प्रज्ञा ठाकुर, प्रसाद पुरोहित के साथ किस–किस पर था केस, क्या थे आरोप?

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। मालेगांव ब्लास्ट केस में कौन–कौन आरोपी गिरफ्तार किए गए थे? पुलिस और जांच एजेंसियों ने इन्हें किस आधार पर पकड़ा था? इन पर आरोप क्या थे? इन पक्षों ने बचाव में क्या दलीलें रखीं? कोर्ट में इस मामले में कब क्या हुआ? आइये जानते हैं... मुंबई में गुरुवार को एक विशेष एनआईए अदालत ने 2008 के मालेगांव ब्लास्ट केस के सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। जिन लोगों को बरी किया गया है, उनमें भाजपा की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा से लेकर भारतीय सेना के पूर्व लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित और रिटायर्ड मेजर रमेश उपाध्याय के नाम भी शामिल हैं।

बता दें कि 29 सितंबर 2008 को महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित मालेगांव में रमजान के महीने में एक जबरदस्त धमाका हुआ था। इस ब्लास्ट में छह लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। हालांकि, आरोपियों की गिरफ्तारी के 17 साल बाद अब एनआईए कोर्ट ने इस मामले में महाराष्ट्र के आतंक–रोधी दस्ते (एटीएस) की जांच में कई खामियां मिलने की बात कही। साथ ही इन आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत भी न पेश किए जाने का मामला उठा। इसके बाद अदालत ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया। गौरतलब है कि मालेगांव ब्लास्ट केस में फैसला करीब 17 साल बाद आया है। इस मामले में एक आरोपी को तो

2011 में जमानत मिल गई थी, लेकिन छह आरोपी आठ साल तक जेल में बंद रहे और उन्हें 2017 में जमानत मिली। मालेगांव विस्फोट मामले में साध्वी प्रज्ञा समेत सभी आरोपी बरीय एनआईए कोर्ट का फैसला मालेगांव ब्लास्ट केस में कौन–कौन आरोपी गिरफ्तार किए गए थे? पुलिस और जांच एजेंसियों ने इन्हें किस आधार पर पकड़ा था? इन पर आरोप क्या थे? इन पक्षों ने बचाव में क्या दलीलें रखीं? कोर्ट में इस मामले में कब क्या हुआ? आइये जानते हैं... पहले जानें– कौन हैं मालेगांव ब्लास्ट केस के आरोपी, क्या थे उन पर आरोप? 1. प्रज्ञा सिंह ठाकुर क्या थे आरोप? प्रज्ञा सिंह ठाकुर उर्फ साध्वी प्रज्ञा जिन्हें स्वामी पूर्णा चेतनानंद गिरी के नाम से जाना जाता है, मध्य प्रदेश की निवासी हैं। वे इस केस में आरोपी नंबर–1 थीं। प्रज्ञा ठाकुर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की सदस्य रही हैं।

मालेगांव ब्लास्ट केस में वह पहली आरोपी थीं, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार किया था। एटीएस ने जब इस मामले की जांच शुरू की तो उसे पता चला कि मालेगांव ब्लास्ट एक एलएमएल फ्रीडम मोटरसाइकिल में बम लगाकर अंजाम दिया गया। इस बाइक के प्रज्ञा ठाकुर के होने का आरोप लगा। इतना ही नहीं एटीएस की थ्योरी के मुताबिक, प्रज्ञा ठाकुर ने इसकी साजिश से जुड़ी कई बैठकें कीं और अन्य आरोपियों को ब्लास्ट को अंजाम देने के लिए सभी चीजें मुहैया कराने की बात कही। कोर्ट में क्या हुआ? प्रज्ञा ठाकुर ने दलील दी कि वह इस साजिश का हिस्सा नहीं थीं और एटीएस ने अवैध तरह से उन्हें हिरासत में रखकर टॉर्चर किया।

मोदी ने अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दियाः राहुल

"ट्रंप ने बिल्कुल सही कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था मृत है। यह बात सभी जानते हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था मृत है केवल प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री को छोड़कर... भाजपा ने देश की अर्थव्यवस्था को खत्म कर दिया है."

राहुल गांधी
कांग्रेस नेता

राहुल बोले–ट्रम्प ने सही कहा कि इंडियन इकोनॉमी मर चुकीः इसे मोदी ने मारा, ये बात पीएम और वित्त मंत्री को छोड़कर सबको पता है

नई दिल्ली,(एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अगस्त से भारत से आयात होने वाले सभी उत्पादों पर 25 फीसदी शुल्क लगाने की घोषणा की थी। इस पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने पर कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि ट्रंप ने 30–32 बार दावा किया है कि उन्होंने युद्धविराम कराया। उन्होंने यह भी कहा कि पांच भारतीय जेट गिर गए। ट्रंप अब कहते हैं कि वह 25ः टैरिफ लगाएंगे। इस पर पीएम मोदी जवाब क्यों नहीं दे पा रहे हैं? असली वजह क्या है? उनके हाथ में नियंत्रण किसके पास है? राहुल गांधी ने कहा कि विदेश मंत्री भाषण देते हैं और कहते हैं कि हमारी विदेश नीति प्रभावशाली है। एक तरफ अमेरिका आपको गाली दे रहा है, दूसरी तरफ चीन आपके पीछे पड़ा है। जब आप अपना प्रतिनिधिमंडल दुनिया में भेजते हैं, तो कोई भी देश पाकिस्तान की निंदा नहीं करता। वे इस देश को कैसे चला रहे हैं? यह पूरी तरह से भ्रम की स्थिति है। पीएम मोदी ने अपने भाषण में ट्रंप और चीन का नाम नहीं लिया। पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख जिन्होंने पहलगाम हमला किया राष्ट्रपति ट्रंप उनके साथ दोपहर का भोजन कर रहे हैं और पीएम मोदी कह रहे हैं कि हमें बड़ी सफलता मिली। ट्रंप के मृत अर्थव्यवस्था वाले बयान पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि ट्रंप सही हैं। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को छोड़कर हर कोई यह जानता है। हर कोई जानता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक मृत अर्थव्यवस्था है। मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने एक सही तथ्य कहा है। पूरी दुनिया जानती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक मृत अर्थव्यवस्था है। भाजपा ने अदाणी की मदद करने के लिए अर्थव्यवस्था को खत्म कर दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी केवल एक व्यक्ति के लिए काम करते हैं और वह व्यक्ति अदाणी है।

अब चीन, अमेरिका, पाकिस्तान की राजनीतिक चुनौती से निपटना होगाः कांग्रेस

नई दिल्ली,(एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अगस्त से भारत से आयात होने वाले सभी उत्पादों पर 25 फीसदी शुल्क लगाने की घोषणा की थी। इस पर कांग्रेस ने पीएम मोदी और केंद्र सरकार पर हमला बोला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने के एलान पर कांग्रेस ने पीएम मोदी और केंद्र सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस ने कहा कि एक बार पीएम मोदी ने कीमतों में टॉप (टमाटर, प्याज, आलू) चुनौतियों की बात की थी, लेकिन देश को अब सीएपी (चीन, अमेरिका, पाकिस्तान) की राजनीतिक चुनौतियों से निपटना होगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि ट्रंप भारत पर दबाव डाल रहे हैं। रमेश ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि 10 मई से अब तक ट्रंप ने 30 बार दावा किया है कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को रोक दिया था। ये दावे चार अलग–अलग देशों में किए गए। 18 जून को उन्होंने

व्हाइट हाउस में पाकिस्तानी सेना प्रमुख और पहलगाम आतंकी हमलों के सूत्रधार को दोपहर के भोजन पर बुलाया। कांग्रेस नेता ने कहा कि 30 जुलाई को उन्होंने भारत से अमेरिकी आयात पर 25ः टैरिफ लगाया और साथ ही रूस से भारत की तेल और रक्षा खरीद पर जुर्माना भी लगाया। इसके अलावा ईरान के साथ संबंध रखने के कारण कम से कम छह भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए गए। रमेश ने कहा कि 30 जुलाई को ट्रंप ने यह भी घोषणा की थी।

कि अमेरिका पाकिस्तान को उसके तेल और गैस भंडारों की खोज और विकास में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि यह घोषणा विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पाकिस्तान को उनके पूर्ण समर्थन के अतिरिक्त है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पीएम मोदी ने एक बार कीमतों में टॉप (टमाटर, प्याज, आलू) चुनौती की बात की थी।

तुलसीदास अकबर के नहीं, श्रीराम के हुए : सीएम

तब नवरत्न बनने की होड़ मची थी, चित्रकूट में रामचरितमानस के दर्शन किए

चित्रकूट/ लखनऊ, (संवाददाता)। सीएम योगी ने गुरुवार को चित्रकूट में कहा कि तुलसीदास ने अकबर का दरबारी कवि बनना नहीं स्वीकार किया। उन्होंने अपना जीवन प्रभु श्रीराम के चरणों में समर्पित कर दिया। उस समय अकबर के नवरत्नों में शामिल होने की होड़ मची हुई थी। योगी तुलसी जयंती समारोह पर तुलसी मंदिर में पहुंचे थे। उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास की हस्तलिखित रामचरितमानस के दर्शन किए और विधिवत पूजा–अर्चना की। इसके बाद उन्होंने संत मोरारी बापू की कथा में शिरकत की। कथास्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मौजूद रही। इस दौरान योगी के पहुंचते ही लोगों ने जय श्रीराम के उद्घोष लगाए। तुलसीदास की प्रतिमा का अनावरण किया सीएम योगी ने महाकवि तुलसीदास जी की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने वृक्षारोपण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि तुलसीदास जी की जीवनगाथा समाज को धर्म, संस्कृति और सदाचार का मार्ग दिखाती है। उन्होंने तुलसी जन्म कुटीर और मानस मंदिर में पूजा–अर्चना की। तुलसी रिसोर्ट में संत मोरारी बापू की अगुआई में चल रहे कार्यक्रम में हिस्सा लिया। सीएम ने कहा– तुलसीदास ने संवत् 1594 में सनातन धर्म के माध्यम से गुलामी के उस कालखंड में एक नई क्रांति को जन्म दिया था। तुलसीदास के जन्म से राजापुर अमर हो गया राजापुर तुलसीदास के जन्म से अमर हो गया। सोचिए, 527 साल पहले यहां की क्या स्थिति रही होगी। क्षेत्र अभावग्रस्त रहा होगा। तब एक विभूति ने सामान्य धर्मपरायण परिवार में जन्म लेकर मां–बाप के साये से वंचित होकर अपने आप को प्रभु श्रीराम के चरणों में समर्पित कर दिया। अकबर के कालखंड में जब उसके नवरत्नों में शामिल होने की होड़ मची थी तब रामबोला नामकी इस विभूति ने इससे इनकार किया था कि यह मेरी वृत्ति नहीं है कि मैं दरबारी बनकर किसी विदेशी आक्रांता की शरण में जाऊं। मैं अपने को प्रभु राम के चरणों में समर्पित करता हूं। यह तब था जब तमाम राजे रजवाड़े अकबर के प्रति समर्पण का भाव रखकर दासता स्वीकार कर रहे थे। तुलसीदास का वैश्विक प्रभाव सीएम ने बताया– मुझे एक बार भारत सरकार के प्रतिनिधि के रूप में मॉरीशस जाने का अवसर मिला। 150 वर्ष पहले भारतीयों को जबरन वहां ले जाकर मजदूर बनाया गया था। मॉरीशस के लोगों ने बताया कि मैंने वहां जब गांव देखे, तो ऐसा लगा जैसे चित्रकूट के आसपास के गांव हों। गुलामी के उस कालखंड में भी कुछ विभूतियां थीं, जिन्होंने भक्ति और शक्ति के संगम को खड़ा करके जनचेतना को जागरूक करने का काम किया था। व्यवस्था को नया आयाम दिया था। प्रतिकार का तरीका सिर्फ लड़ना नहीं, बल्कि रामलीला के मंचन से घर घर जागरूक करना भी होता है, जो तुलसीदास जी ने किया। सीएम ने अपने मॉरीशस दौरे का भी जिक्र किया। मैंने लोगों से पूछा– आपने यहां अपना धर्म और जीवन कैसे बचाया। उत्तर मिला– हमारे पूर्वजों के पास बस एक ही सहारा था रामायण का गुटका। तब मुझे समझ में आया– तुलसीदास जी की रामचरितमानस ही उनका संबल बनी। उनके पूजा घरों में रामचरितमानस की ही पूजा होती है। इस मौके पर जगद्गुरु रामभद्राचार्य, संत मोरारी बापू, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, जिला प्रभारी मंत्री मनोहरलाल आदि जनप्रतिनिधि, संत महंत मौजूद रहे। राम जन्मभूमि आंदोलन के समय भी, गुलामी का ढांचा गिराने के बाद भी, जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य जी जैसे संतों को बुलाया जाता रहा। मुरारी बापू जैसे संत, तुलसीदास जी की स्मृति को जीवित रखने के लिए आज भी प्रयासरत हैं। रामायण और रामचरितमानस की रचना का आधार है चित्रकूट चित्रकूट की धरती को सौभाग्य प्राप्त है। यह अनेक ऋषि–मुनियों की साधना भूमि रही है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने अपने वनवास काल का सर्वाधिक समय यहीं बिताया। वाल्मीकि रामायण हो या गोस्वामी तुलसीदास जी की रामचरितमानस, दोनों की रचना का आधार यही चित्रकूट है। प्रधानमंत्री मोदी जी भी कहते हैं कि विरासत पर ही विकास आगे बढ़ता है। हमें भी अपनी विरासत के संरक्षण के लिए कार्य करना चाहिए। कुछ लोग अनावश्यक रूप से संतों को विवादों में घसीटने का प्रयास करते हैं। लेकिन जिनका जीवन ही राममय है, वे ऐसे षड्यंत्रों से विचलित नहीं होते। हमें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए मिलकर कार्य करना होगा। कड़ी सुरक्षा, विपक्षी नेताओं को किया नजरबंद सीएम के दौरे को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए। पूर्व सपा जिलाध्यक्ष अनुज यादव, भीम आर्मी के संजय गौतम, सामाजिक कार्यकर्ता मीरा भारती और अन्य नेताओं को नजरबंद कर लिया गया। अनुज यादव को कोतवाली में बैठाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विरोध की आवाज दबा रही है।

मालेगांव मामले के निर्णय ने सिद्ध किया हिन्दू आतंकवाद नहीं होता

लखनऊ,(संवाददाता)। अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी, संगठन के राष्ट्रीय संयोजक पंकज तिवारी ने आज मालेगांव मामले में सभी आरोपियों को बरी किये जाने के निर्णय का स्वागत करते हुये कहा है कि इस निर्णय ने भी सिद्ध कर दिया हिन्दू आतंकवाद नहीं हो सकता। श्री त्रिवेदी ने कहा कि हिन्दु समाज और भगवा को बदनाम करने के लिये आतंकवाद की स्क्रिप्ट लिखने वाले मुस्लिम वोटबैंक के लिये इतना नीचे गिर जायेंगें इसकी कभी कल्पना भी नहीं की जा सकती। आज न्यायालय ने अपने निर्णय में पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह, मेजर रमेश उपाध्याय, सुधाकर चतुर्वेदी सहित लोगों इस मामले से बरी कर साफ दिया कि यह सिर्फ राजनीतिक साजिश नहीं थी, यह सनातन धर्म पर हमला था। मंदिर की घंटियों को बम की आवाजों में तब्दील करने की कोशिश थी और अब जब झूठ बेनकाब हो चुका है हर सनातनी को आवाज उठानी होगी कि ये माफी नहीं, जवाबदेही का समय है। वहीं संगठन संयोजक पंकज तिवारी ने कहा कि निर्णय ने देश में राजनीतिक स्वार्थ के कारण सनातनी समाज को बदनाम करने वालों का चेहरा बेनकाब कर दिया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में सनातन और भगवा को बदनाम न कर सके इसके लिये सभी सनातनियों को एकजुट होना जरूरी है।

लोक निर्माण विभाग में चली तबादला एक्सप्रेस

लखनऊ,(संवाददाता)। लोक निर्माण विभाग ने कई इंजीनियरों का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया गया है। कई अधीक्षण अभियंताओं को नई जगहों पर तैनात कर दिया गया है। यह तबादले सीएम योगी की नाराजगी के बाद किये गए हैं। चक्रेश केन को अधीक्षण अभियंता 39वां वृत्त भवन लखनऊ और कर्मवीर सिंह को अधीक्षण अभियंता बस्ती वृत्त लोक निर्माण विभाग बस्ती के पद पर तबादला कर दिया गया है। लोकनिर्माण विभाग में वरिष्ठ स्टाफ ऑफिसर मेघ प्रकाश को अधीक्षण अभियंता प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना वृत्त लोक निर्माण विभाग बरेली के पद पर तबादला कर दिया गया है। इसी तरह अरविंद कुमार को अधीक्षण अभियंता प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना कानपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

महाकुंभ से लापता लड़की छांगुर के गुर्गे के साथ दिखी, 6 राज्यों के पीड़ित लखनऊ पहुंचे

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में विश्व हिंदू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने धर्मांतरण, लव जिहाद और लैंड जिहाद के पीड़ितों के साथ आज प्रेस वार्ता की। उनके साथ 6 राज्यों के 7 लोग भी मौजूद रहे। उन लोगों ने दावा किया कि वे धर्मांतरण का मास्टरमाइंड जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और उसके गैंग के शिकार हुए हैं।

मालिक मुद्रक, प्रकाशक, आशीष सेंगर द्वारा विभा प्रिंटर्स मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग,हाथरस से मुद्रित एवं प्रधान कार्यालय मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग सरस्वती कुंज हाथरस से प्रकाशित।
RNI- UPHIN/2007/23475
सम्पादकः अंजली शर्मा
मो. 9410427880 09319426268
Email:-
bhavyaprabhat@gmail.com
समस्त समाचारों के चयन एवं उनसे उत्पन्न विवादों के लिये पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार।
समस्त विवादो का न्याय क्षेत्र हाथरस होगा।

छपाई छपाई
बिल बुक,लेटर पैड,पम्पलेट
पोस्टर,शादी कार्ड,अखबार
आधुनिक कम्प्यूटराइज्ड मशीन द्वारा साफ सुन्दर एवं कलात्मक छपाई
विभा प्रिन्टर्स
मुंशी गजाधर सिंह मार्ग,अलीगढ़ रोड, हाथरस
मो० 9410427880 ,9319426268

ब्रज कला केंद्र एवं हास्य कला केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में मनाई गोस्वामी तुलसीदास जयंती एवं चाचा हाथरसी का जन्मदिवस

हाथरस। साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था ब्रज कला केंद्र एवं हास्य कला केंद्र द्वारा रामचरितमानस के रचयिता महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती एवं हाथरस के वरिष्ठ साहित्यकार व आयुर्वेदाचार्य डॉ. ओम प्रकाश शर्मा श्चाचा हाथरसीश का जन्मदिवस श्री राधा कृष्ण कृपा भवन, आगरा रोड स्थित कार्यालय पर गरिमामय रूप से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्राह्मण सभा के पूर्व अध्यक्ष पं. ऋषि कुमार कौशिक ने की, जबकि संचालन ब्रज कला केंद्र के अध्यक्ष चंद्रगुप्त विक्रमादित्य द्वारा किया गया। समारोह की शुरुआत मां शारदे एवं गोस्वामी तुलसीदास जी के छवि चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। तो वही पंडित लोकेंद्र पाल शर्मा ने मंत्रोच्चारण साथ एवं कवियत्री मीरा दीक्षित ने मां शारदा की वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर के.एल. इंस्टिट्यूट के प्राचार्य डॉ. चंद्रदत्त पाठक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, वहीं वरिष्ठ साहित्यकार अनिल बोहरे विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं में अपना घर आश्रम के संस्थापक मदन मोहन वार्ष्णेय पंडित अविनाश चन्द्र पचौरी गिर्राज किशोर उपाध्याय बीना गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास की लोकभाषा में रचित अमर काव्य रामचरितमानस के सामाजिक और आध्यात्मिक प्रभाव पर प्रकाश डाला तथा चाचा हाथरसी के हास्य–व्यंग्य साहित्य को समर्पित कर रहे हैं तो वहीं चिकित्सा जगत में चाचा हाथरसी जिस प्रकार चिकित्सा को सेवा का रूप देते हैं वह वास्तव में प्रशंसनीय है इस अवसर पर कवियत्री मीरा दीक्षित प्रदीप अंजना श्याम बाबू चिंतन प्रदीप पंडित गाफिल स्वामी बाबा देवी सिंह निडर आदि कवियों ने काव्य के माध्यम से जहां एक तरफ गोस्वामी तुलसीदास जी को उनकी जयंती पर नमन किया तो वहीं दूसरी ओर वरिष्ठ साहित्यकार चाचा हाथरसी के जन्म दिवस पर उन्हें बधाई दी इस अवसर पर चाचा हाथरसी की पुत्री एवं आकाशवाणी पर अनेक प्रस्तुति प्रदान करने वाली नीता शर्मा ने अपने पिता के जन्म दिवस पर पिता को समर्पित बहुत ही भावुक गीत सुनाकर सभी को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम में रणवीर सिंह प्रधान राजकुमार पूनिया विष्णु अग्रवाल रणवीर सिंह नगला दूरजी वीरेंद्र सिंह रमेश चंद शर्मा पंडित राम दीक्षित महावीर सिंह कपिल नरूला संतोष उपाध्याय पियूष अग्निहोत्री हबीब खान हरेंद्र बघेल रामचंद्र रवि कुमार शहर के अनेक साहित्यप्रेमी, छात्र, संस्कृतिकर्मी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सांसद डिंपल पर अशोभनीय टिप्पणी पर भड़की आदर्श महिला एव बाल कल्याण संस्था की पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक से की मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग

हाथरस। मैनपुरी की सांसद डिंपल यादव पर मौलाना साजिद रशीदी द्वारा की गई अशोभनीय टिप्पणी से आक्रोशित आदर्श महिला एव बाल कल्याण संस्था की बैठक संस्था के जिला कार्यालय कूपा गली बरी वाला मौहल्ला पर आहूत की गई। जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा राणा ने की। बैठक में मौजूद पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीव राव सिन्हा से मौलाना के विरूद्ध मुकदमा दर्ज गिरफ्तार करने की मांग की। आदर्श महिला एव बाल कल्याण संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा राणा ने कहा मैनपुरी सांसद डिंपल यादव सदैव महिला सशक्तिकरण, गरिमा और सम्मान की आवाज रही हैं। उनके विरुद्ध मौलाना साजिद रशीदी ने एक सार्वजनिक मंच पर अशोभनीय, अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी की है। यह टिप्पणी न केवल एक सम्मानित महिला सांसद का अपमान है, बल्कि समस्त महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली है। यह बात महिलाओं के प्रति दुर्भावना और असम्मान फैलाने की नियत से की गई है, जो कि भारतीय संविधान, महिला सम्मान और विधि व्यवस्था का उल्लंघन है। इस दौरान राखी देवी, पूनम वर्मा, ऊषा देवी, राधा देवी, पूनम देवी, श्यामू देवी, कोमल देवी, ममता देवी, दिनेश बघेल, राजेश बघेल अन्य लोग मौजूद थे।

आर्थिक अपराध अनुसंधान शाखा ने छात्रवृत्ति घोटाले में कृष्णा महाविद्यालय प्रबंधक को किया गिरफ्तार

हाथरस। छात्रों का फर्जी नामांकन दिखाकर 24.72 करोड़ रुपये का घोटाला किया गया था। इस संबंध में वर्ष 2011 में मुरसान कोतवाली पर मुकदमा दर्ज कराया गया था। अब इस मुकदमे में राजीव गुप्ता को गिरफ्तार किया है। 14 साल पहले हुए छात्रवृत्ति घोटाले में आर्थिक अपराध अनुसंधान शाखा (ईओडब्ल्यू) कानपुर की टीम ने 30 जुलाई को कृष्णा महाविद्यालय अगसौली के प्रबंधक राजीव गुप्ता को गिरफ्तार किया है। राजीव गुप्ता मूलरूप से एटा का रहने वाला है और उसका वहां बाइक का शोरूम भी है। वर्ष 2011 से 2013 के बीच हुए अल्पसंख्यक एवं अनुसूचित जाति के छात्रों की छात्रवृत्ति घोटाले की जांच आर्थिक अपराध शाखा कर रही है। छात्रों का फर्जी नामांकन दिखाकर 24.72 करोड़ रुपये का घोटाला किया गया था। ईओडब्ल्यू की टीम के प्रभारी विजय मिश्रा ने बताया कि इस संबंध में वर्ष 2011 में मुरसान कोतवाली पर मुकदमा दर्ज कराया गया था। अब इस मुकदमे में राजीव गुप्ता को गिरफ्तार किया है।

कवि कुंवरपाल शर्मा के जन्मदिन पर 2 अगस्त को कवि सम्मेलन में किया जाएगा डॉ विष्णु सक्सेना का अभिनंदन

हाथरस। छंद शास्त्र के ज्ञाता सिकंदराराऊ के वरिष्ठ कवि स्वर्गीय कुँवर पाल शर्मा कुंवर के जन्मदिन के अवसर पर 2 अगस्त को शाम 4 बजे से विराट कवि सम्मेलन नगर पालिका परिषद परिसर में होगा। कार्यक्रम के संयोजक कवि कुंवर के पुत्र कवि प्रमोद विषधर ने बताया कि इस कवि सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय गीतकार डॉ विष्णु सक्सेना का अभिनंदन किया जाएगा । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मोहम्मद मुशीर व जयपाल सिंह चौहान समाजसेवी एवं विशिष्ट अतिथि देवेंद्र सिंह राघव प्रबंध निदेशक राज आयुर्वेद रहेंगे। कवि सम्मेलन में देवेन्द्र दीक्षित शूल, रोहित राकेश, शैलेंद्र मिश्रा ,महेश मंजुल ,डॉ उपेंद्र झा ,उन्नति भारद्वाज, कृष्ण मुरारी लाल मानव, डॉ.शैलजा दुबे ,धर्मेंद्र शर्मा ,राजेंद्र सिंह चौहान, डॉ रंजीत शर्मा व कुमार शिव संभव आदि काव्य पाठ करेंगे।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की बैठक दो अगस्त को

हाथरस। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों, शोभायात्रा अध्यक्ष, संयोजक, सहसंयोजक, प्रदेश एवं राष्ट्रीय पदाधिकारी तथा जनपद के अन्य क्षत्रिय बंधुओं की बैठक 2 अगस्त को दोपहर 2 बजे से क्षत्रिय धर्मशाला मेंडू रोड पर आयोजित होगी।

विधवा महिला की जमीन पर दबंगों का कब्जा, न्याय की आस में जिलाधिकारी के दर पर

हाथरसरू एक विधवा महिला ने अपनी कृषि भूमि पर दबंगों द्वारा अवैध कब्जे और जान से मारने की धमकी दिए जाने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से न्याय की गुहार लगाई है। रेलवे कॉलोनी, हाथरस निवासी कुसुम पत्नी स्वर्गीय तेज सिंह ने जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया है कि उन्होंने मौजा नगला दना, थाना चंदपा स्थित खाता संख्या 8, खसरा संख्या 30, रकबा 1.279 हेक्टेयर कृषि भूमि बैनामा द्वारा खरीदी थी। कुसुम का कहना है कि उनके पति के आकस्मिक निधन के बाद यह जमीन ही उनके और उनके बच्चों के जीवनयापन का एकमात्र साधन है। लेकिन, कुछ दबंग लोग जिनका संबंध नगला दना से है, लगातार उन्हें और उनके बच्चों को डरा–धमका रहे हैं और उनकी कृषि भूमि पर जबरन कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। महिला ने बताया कि हाल ही में जब वह अपने खेत में गई थीं, तो दबंगों ने पुलिस की सहायता से उन्हें वहां से भगा दिया और उनके बच्चों को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दी। इससे पूरा परिवार दहशत में है। कुसुम ने जिलाधिकारी से विनम्र निवेदन किया है कि विपक्षियों द्वारा उनकी भूमि पर किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य तत्काल रोका जाए और थाना चंदपा पुलिस को आदेश दिए जाएं कि उन्हें उनकी भूमि पर वैधानिक कब्जा दिलाने में सहायता करें, साथ ही उनकी जान–माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। इस मामले में किसान यूनियन भानू के प्रदेश संगठन मंत्री सतेन्द्र सिंह और उनके कार्यकर्ताओं ने घटना स्थल पर पहुंचकर महिला को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। प्रदेश मंत्री ने कहा कि यदि विधवा महिला को न्याय नहीं मिला, तो संगठन मजबूत धरने का आयोजन करेगा और उनकी हर संभव मदद करेगा। इस घटना ने न केवल महिला के लिए बल्कि पूरे समुदाय के लिए चिंता का विषय बना दिया है, और सभी की नजरें अब जिलाधिकारी और स्थानीय प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

१३ सतम्बर को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

हाथरस। दीवानी न्यायालय हाथरस में शनिवार 13.09.2025 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। जनपद न्यायाधीश,अध्यक्ष महोदय विनय कुमार ने कहा है कि आपसी सुलह–समझौता के आधार पर लंबित मुकदमों का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत में किया जायेगा। उन्होंने आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में जिला स्तर पर प्रत्येक विभाग द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत मे सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं तथा लंबित मुकदमों से प्रभावित लोगों से इस सुनहरे मौके का लाभ उठाने की अपील की है। मा0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के पत्र दिनांक 25.06.2025 द्वारा दिए गये निर्देशों के क्रम में अपर जनपद न्यायाधीशध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रशान्त कुमार के अनुसार, दिनांक 13.09.2025 दिन शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक मामले, धारा–138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम, वसूली वाद आदि (लंबित एवं प्रि–लिटिगेशन मामले) संबंधित प्रकरणों के साथ–साथ सभी सुलह योग्य आपराधिक वादों, सिविल वादों, भूमि अधिग्रहण वादों, मोटर दुर्घटना प्रतिकर के वाद, पारिवारिक वादों, स्टाम्प वादों, उपभोक्ता फोरम वादों, राजस्व वादों, चकबंदी वादों, श्रम मामलों, नगर पालिका टैक्स वसूली मामलों, विद्युत अधिनियम के अन्तर्गत सुलह योग्य वाद, अन्तिम रिपोर्ट धारा 446 द0प्र0सं0 संबंधी मामले, पब्लिक प्रिविसेज एक्ट संबंधी मामले, उत्तराधिकार संबंधी मामले, आयुध अधिनियम के प्रकरण, बीमा संबंधी वाद, स्थानीय विधियों के अन्तर्गत शमनीय वाद, सेवाध्वेतन संबंधी वाद, सेवानिवृत्ति परिलाभों से संबंधित प्रकरण, किरायेदारी वाद, वन अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरणों का निस्तारण किया जायेगा। अपर जनपद न्यायाधीशध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत में पुलिस अधिनियम के अन्तर्गत चालान, मोटर यान अधिनियम के अन्तर्गत चालान, बॉट तथा माप अधिनियम के अन्तर्गत चालान, उ0प्र0 दुकान एवं वाणिज्य अधिनियम के अन्तर्गत चालान, आबकारी अधिनियम के संबंधी वाद, गैम्बलिंग एक्ट के अन्तर्गत चालान, नगर पालिका के अन्तर्गत चालान, मैड़ बंदी एवं दाखिल खारिज वाद, प्रिलिटिगेशन प्रकरण, मनरेगा प्रकरण, शिक्षा का अधिकार संबंधी प्रकरण, जलकर एवं गृहकर प्रकरण, आपदा राहत प्रकरण, कराधान प्रकरण, राशन कार्डध्जाति एवं आय प्रमाण पत्र संबंधी आदि प्रकरणों का निस्तारण किया जायेगा।

गरीब कन्याओं का होगा विवाह, सूरजगढ़ से आएगी निशान यात्रा

स्थानीय खाटू श्याम मंदिर के पदाधिकारियों ने सीकर पहुंचकर खाटू श्याम मंदिर की बड़ी मां को दी वार्षिकोत्सव की जानकारी

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। नगर के बिजलीघर रोड स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर का चतुर्थ वार्षिकोत्सव दो सिंतबर से धूमधाम से मनाया जाएगा। वार्षिकोत्सव के तहत चार दिवसीय इस कार्यक्रम में दो गरीब कन्याओं का विवाह संपन्न होगा। आयोजन को लेकर श्री गोवर्धनधाम खाटू श्याम मंदिर सादाबाद ट्रस्ट के पदाधिकारी गुरूवार को सीकर राजस्थान में श्री खाटू श्याम मंदिर की बड़ी मां से मिले और उन्हें वार्शिकोत्सव के दौरान आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों

की जानकारी दी। ट्रस्टी रजत उर्फ खौनू अग्रवाल ने उन्हें बताया कि मंदिर में दो सिंतबर को शाम पांच बजे से श्याम नाम की मेंहदी का आयोजन होगा, जिसमें महिला श्रद्धालु एक दूसरे के हाथों पर बाबा श्याम के नाम की मेंहदी रचाएंगी। तीन सिंतबर को सूरजगढ़ से श्यामभक्त हजारीलाल इंदौरिया के सानिध्य में निशान यात्रा आएगी। इस निशान यात्रा में शामिल 5100 निशान बाबा को अर्पित किए जाएंगे। पांच सिंतबर को श्री गोवर्धनधाम खाटू श्याम मंदिर सादाबाद पर भजन संध्या का आयोजन होगा। इस भजन संध्या में भजन गायक दीपक गुप्ता, अंकुर अग्रवाल के अलावा दिल्ली की शीतल पांडेय व गुरूग्राम की वर्षा गर्ग बाबा श्याम के भजनों की प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा पहली बार श्री गोवर्धनधाम खाटू श्याम मंदिर ट्रस्ट सामूहिक गरीब कन्या विवाह का आयोजन करा रहा है। यह आयोजन चार सिंतबर को मंदिर के निकट ही आयोजित किया जाएगा। ट्रस्ट द्वारा ही विवाह आयोजन की प्रत्येक व्यवस्था की जाएगी। बड़ी मां ने आयोजन को लेकर हर्श जाहिर किया और कार्यक्रम में पहुंचने का आष्वासन भी दिया। मौके पर काफी ष्याम भक्त मौजूद रहे।

राष्ट्रीय किसान आयोग के गठन की मांग

● केंद्रीय कृषि मंत्री से मिले भाकियू चौ. चरण सिंह के पदाधिकारी

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी लखनऊ स्थित कृशि भवन में केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय .षि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी तथा उत्तर प्रदेश के .षि मंत्री सूर्य प्रताप शाही से मिले और किसानों के मुद्दों पर प्रभावशाली संवाद करते हुए ज्ञापन सौंपकर राष्ट्रीय किसान आयोग के गठन की मांग की।

संगठन के मुख्य संरक्षक एवं गांव किसान उन्नयन मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष केपी सिंह ठैंनुआ व राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेन्द्र चौधरी ने बताया कि हम संवाद से ही किसानों की समस्याओं का समाधान चाहते हैं। .षि प्रधान देश भारत में आज तक राष्ट्रीय किसान आयोग का गठन नहीं हुआ, यह स्थिति अन्नदाता किसानों के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। किसानों का नीति निर्धारण में कोई संवैधानिक प्रतिनिधित्व नहीं है, यह लोकतांत्रिक व्यवस्था में एक बहुत बड़ी कमी है। यदि इस मानसून सत्र में राष्ट्रीय किसान आयोग का गठन नहीं किया गया, तो संगठन पूरे देश में इस मुद्दे को लेकर बड़ा जनांदोलन करेगा और सड़क से संसद तक लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाई जाएगी। इस आयोग के अध्यक्ष व सदस्य प्रगतिशील किसान ही होने चाहिए।

बारिश से भरा पानी, राहगीरों ने झेली परेशानी

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। सादाबाद नगर और क्षेत्र में गुरूवार को रूक रूक कर कई बार हुई बारिष से नगर के कई इलाकों में जलभराव हो गया, जिससे लोगों को भारी परेषानी का सामना करना पड़ा। नाले और नालियां उफन पड़े और सड़कें पानी से लबालब हो गईं। बारिष का पानी लोगों की दुकान और मकानों में जा घुसा। षाम करीब साढे पांच से लेकर साढ़े छह बजे तक हुई तेज बारिष ने नगर की सुभाश गली, जयंती भाई मार्ग, आनंद नगर, मथुरा रोड सहित कई इलाकों में लोगों के सामने आवागमन में परेषानी खड़ी कर दी। लोग पैदल ही वाहनों को ले जाते हुए दिखाई दिए।

आगरा रोड पर जैतई रोड के निकट पानी भर गया। प्रोफेसर कॉलोनी के सामने हो रहे सड़क में हो रहे गढ्डों में पानी भर जाने की वजह से लोग बाल बाल सड़क हादसे का षिकार होने से बच गए। स्थानीय निवासी योगेष षरण षर्मा ने बताया कि जल निगम द्वारा पेयजल पाइपलाइन के लिए किए गए गढ्डों को अभी तक भरा नहीं गया है।

नर्मदेष्वर महादेव अलौकिक श्रृंगार दर्शनों को उमड़े भक्त

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। सावन माह में श्रद्धालु भगवान षिव की भक्ति में रमे हुए हैं। भगवान षिव का रोजाना नए नए अवतार में अलोकिक श्रृंगार किए जा रहे हैं। गुरूवार को स्थानीय त्यागी कॉलोनी स्थित श्री चिंताहरण नर्मदेष्वर महादेव मंदिर पर भगवान षिव का विषेश श्रृंगार किया गया। भक्तों ने भोलेनाथ को विभिन्न प्रकार के वस्त्र, आभूशण, सुंगधित द्रव्यों से सजाया। षिवलिंग पर आकृति बनाई गई, जिससे षिव साक्षात रूप में नजर आ रहे थे। दर्षन करने के लिए श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। सुबह से लेकर देर रात तक मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान रहा। बेलपत्र, धतूरा, दूध, दही, षहद आदि से भोलेनाथ का अभिशेक किया गया। मंदिर में सभी श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया गया। पंडित योगेष षरण षास्त्री ने बताया कि भगवान षिव की पूजा करने से सभी प्रकार के कश्ट दूर हो जाते हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने हाईटैक नर्सरी पाइप पेयजल योजना का किया निरीक्षण

(भव्य प्रभात)

हाथरस। मुख्य विकास अधिकारी पी0एन0 दीक्षित ने कृषि विज्ञान केन्द्र स्थित, हाईटैक नर्सरी पाइप पेयजल योजना, लढ़ौता, लढ़ौता एवं पंचायत सचिवालय, लढ़ौता का निरीक्षण किया। इसके बाद हाई टैक नर्सरी (वेजीटेबिल सीडलिंग प्रोडक्शन इकाई) जाऊ इनायतपुररू जनपद में स्थापित हाईटैक नर्सरी का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के समय डा0 सुनील कुमार जिला उद्यान अधिकारी, श्री अनुज मिश्र खण्ड विकास अधिकारी, हसायन, श्री ए0बी0 बारसी प्रभारी कृषि विज्ञान केन्द्र, श्री रवेन्द्र सिंह उद्यान निरीक्षक, डा0 एस0आर0 सिंह कृषि वैज्ञानिक, डा0 जगदीश प्रसाद मिश्र वैज्ञानिक, डा0 विनोद प्रकाश कृषि वैज्ञानिक, श्री रहीम स्वयं सहायता समूह कलूपुरा की अध्यक्ष श्री राजेश कुमारी एवं सदस्य उपस्थित मिलीं। हाईटैक नर्सरी का निर्माण मै0 शील बायोटैक लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा किया गया है। हाईटैक नर्सरी कार्य की स्थापना हेतु 12852772– की स्वीकृति के सापेक्ष 10340885– भुगतान मै0 शील वायोटैक लि0 को किया गया है, तथा मनरेगा के मजदूरों से इस योजना पर कार्य कराया गया है, जिस पर 1.38 लाख रू0 का व्यय हुआ है। कार्य पूर्ण है। कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी द्वारा अवगत कराया गया कि अभी हैण्डओवर नहीं हुआ है। ऑटोमैटिक सीडर मशीन, सीड जर्मिनेशन चौम्बर, हार्डनिंग चौम्बर टैम्प्रेचर रूम, इन्फ्रास्ट्रक्चर रूम मिडिया प्रोसेसिंग एवं ट्रे वाशिंग एरिया, पाली हाउस, नेट हाउस, पॉली टनल आदि का निरीक्षण किया गया। पॉली हाउस एवं नैट हाउस में ग्रीन नैट टूटा मिला, तत्काल सम्बन्धित फर्म से ठीक कराये जाने के निर्देश जिला उद्यान अधिकारी को दिये गये। पौधा तैयार करने की विधि की जानकारी प्राप्त की गई। हाईटैक नर्सरी में एक बार में 7 लाख पौध तैयार की जा सकती है। कृषक द्वारा बीज देकर पौध तैयार कराई जायेगी तो कृषक को प्रति पौधा 1.00 रू0 शुल्क कृषि विज्ञान केन्द्र में जमा कराया जाना हो तथा यदि कृषक बिना बीज दिये पौध क्रय करता है तो उसे 2.00 रू0 प्रति पौधा की दर से शुल्क जमा करना होगा।

प्रभारी कृषि विज्ञान केन्द्र एवं खण्ड विकास अधिकारी, हसायन द्वारा अवगत कराया गया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के रहीम स्वयं सहायता समूह, कलूपुरा विकास खण्ड

हसायन को हाईटैक नर्सरी से जोड़ा गया है, इस समूह की प्रबन्धन में पौध उत्पादन का कार्य कराया जायेगा। जो धनराशि पौध उत्पादन में प्राप्त होगी उसकी 60 प्रतिशत धनराशि स्वयं सहायता समूह को प्रदान की जायेगी। 20 प्रतिशत धनराशि कृषि विज्ञान केन्द्र को तथा 20 प्रतिशत रख–रखाव एवं सीड पर व्यय किया जायेगा। प्रभारी कृषि विज्ञान केन्द्र एवं जिला उद्यान अधिकारी को हाईटैक नर्सरी में शीध्र पौध उत्पादन कार्य प्रारम्भ कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

पाइप पेयजल योजना लढ़ौता का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय श्री विपिन कुमार, अधिशासी अभियंता, श्री विकास, टी0पी0आई0, श्री दिलशाद जिला समन्वयक डी0पी0एम0यू0, टी0पी0आई0 के साइट अभियंता, श्री मनीष , जिला परियोजना प्रबन्धक, कार्यदायी कम्पनी बृज गोपाल कन्सट्रक्शन कम्पनी प्रा0लि0–रामकी उपस्थित थे। अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि कार्य की प्राक्कलितः स्वीकृत धनराशि 421.15 लाख है, माह मई, 2023 में कार्य प्रारम्भ कराया गया। टंकी निर्माण में टॉप डाम का कार्य पूर्ण हो चुका है। योजनान्तर्गत तीन ग्रामों लढ़ौता, जिरौली एवं महुआ की नगरिया में 14.617 कि0मी0 में पाइप लाइन के कार्य के सापेक्ष अभी तक मात्र 6.756 कि0मी0 में ही कार्य पूर्ण हुआ है। इस योजना में 2 नलकूप स्थापित किये जाने हैं, जिनका कार्य पूर्ण बताया गया। नलकूप कक्ष का निर्माण कार्य चल रहा है, नलकूप कक्ष की खिड़कियों में जाल नहीं लगाया गया है, जिसके लगवाये जाने के निर्देश दिये गये। योजनान्तर्गत 1040 कनैक्शन दिये जाने है, जिसके सापेक्ष मात्र 234 कनैक्शन दिये गये हैं। ग्राम लढ़ौता की कई गलियों में पाइप लाइन डाले जाने पर खोदा गया है किन्तु पाइप लाइन डाले जाने के उपरान्त मरम्मत नहीं कराई गई है, जिससे जगह–जगह पानी भरा हुआ पाया गया, ग्राम वासियों को निकलने में असुविधा हो रही है। बताया गया कि कनैक्शन न हो पाने के कारण मरम्मत का कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया है। कार्य का कोई तारतम्य नहीं है। चरणबद्ध तरीके से कार्य नहीं कराया जा रहा है। कार्य कराये जाने की कोई समुचित प्लानिंग नहीं की गई है। अधिशासी अभियंता,जलनिगम एवं मौके पर उपस्थित कम्पनी के जिला प्रबन्धक को तत्काल गलियों की मरम्मत कराये जाने के निर्देश दिये गये, जिससे ग्राम वासियों को असुविधा न हो। बाउन्ड्रीवाल का निर्माण कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया है। योजनान्तर्गत मार्च, 2026 तक सम्पूर्ण कार्य पूर्ण कराये जाने का आश्वासन दिया गया।

नगर का समुचित विकास ही मेरी प्राथमिकता : श्वेता चौधरी

- जल्द चालू होगी घंटाघर की बंद घड़ी, २४ जुलाई को पालिका द्वार निकाला गया है टेंडर
- विशेष कार्ययोजना बनाकर खराब एवं टूटे मुख्य मार्गो का कराया जा रहा निर्माण
- विभिन्न वार्डो में सड़कों का निर्माण कर लोगों के आवागमन को बनाया जा रहा सुगम

(भव्य प्रभात)

हाथरस। पालिकाध्यक्षा श्वेता चौधरी के कुशल नेतृत्व में नगर पालिका परिषद द्वारा आम लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुये नगर में निरन्त विकास कार्य कराये जा रहे हैं। वार्डो में सड़कों का निर्माण कर लोगों के आवागमन को सुगमता प्रदान की जा रही है वहीं विगत कई वर्षों से जर्जर हालत में पड़े नगर के मुख्य मार्गो को एक विशेष कार्ययोजना बनाकर पुनः निर्माण कार्य कराया जा रहा है। नगर वासियों को मूलभूत सुविधायें प्रदान करने में तेजी से काम किया जा रहा है।

पालिकाध्यक्षा श्वेता चौधरी ने बताया कि नगर वासियों की मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है। नगर के वार्डों में सड़कों का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। के वर्षो से खराब और टूटे फूटे पड़े नगर के मुख्य मार्गो को योजनाबद्ध तरीके से पुनः निर्माण कार्य जा रहा है। प्रथम चरण में नगर में नगर के हृदय मार्ग कहे जाने वाले बागमूला चौराहा से मैण्डू गेट चौराहा, जामा मस्जिद से चावड गेट चौराहा, पुरानी स्टेट बैंक रोड, मैण्डु गेट चौराहा से नयागंज चौराहा, नयागंज चौराहा से चावड गेट चौराहा एवं चावड गेट चौराहा आदि मागों की सी०सी मरम्मत करायी जा रही है तथा अन्य अवशेष मुख्य मार्गो को भी शीघ्र ही मरम्मत कराया जायेगा। नगर पालिका परिषद हाथरस के अध्यक्ष पद का कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात लगातार नगर में व्याप्त समस्याओं का निराकरण नगर पालिका परिषद हाथरस की अधिकारियों व टीम के माध्यम से कराया जा रहा है। डी०आर०बी० पार्क पर 151 फुट ऊँचे तिरंगे झंडे की मरम्मत व उसकी स्थापना हेतु नगर पालिका परिषद हाथरस द्वारा कार्यवाही की जा रही है। शीघ्र ही स्वतंत्रता दिवस से पूर्व भारतीय ध्वज का अधिष्ठापन कार्य पूर्ण किया जायेगा और यह व्यवस्था बनायी जा रही है कि भारतीय ध्वज दिन और रात लहराये एवं भारत के विकास को उत्तरोत्तर प्रगति की ओर इगिंत करता रहे। यह व्यवस्था भी की जा रही है कि राष्ट्रीय ध्वज के अधिष्ठापन के कार्य के सम्बंध में पूरे कार्यकाल हेतु अनुरक्षण का कार्य भी उक्त कार्य करने वाली फर्म/एजेंसी को दे दिया जाये, जिससे नगर में भारतीय ध्वज पूरी शान से लहराये। घंटाघर की बंद घडियो की मरम्मत के सम्बंध में नगर पालिका परिषद हाथरस द्वारा पूर्व में ही दिनांक 24.07.2025 को विज्ञप्ति प्रकाशित कराकर दिनांक 02.08.2025 तक ऑफर आमंत्रित किये गये है। ऑफर प्राप्त होने के पश्चात प्रयास होगा कि 15 अगस्त तक नगर के एतिहासिक घंटाघर की बंद घडियों शुरू हो जाये एवं घडियों की मरम्मत करने वाली फर्म को अनुरक्षण की जिम्मेदारी भी सौंपी जायेगी ताकि घडियों कभी भी बंद न हो घडियों के अनुवृत्त चलने से नगर का विकास भी चहुँओर हो। पालिकाध्यक्षा ने कहा कि मेरा पूर्ण प्रयास है कि नगर वासियो की सुविधा एवं उनकी समस्याओं का निराकरण त्वरित गति से हो और जनता को सरकार की समस्त सुविधाओं का लाभ मिल सके।

भारत विकास परिषद देश की सेवा ,समाज की सेवा और समाज को संस्कारित करने वाली एक राष्ट्रीय महत्व की संस्था : केशव दत्त गुप्ता

- भारत विकास परिषद का दीक्षा एवं अधिष्ठापन समारोह संपन्न ,महिला सदस्यों द्वारा मनाया गया हरियाली तीज उत्सव
- परिषद के अध्यक्ष जय शर्मा ने इस सत्र में किए गए कार्य और आगामी कार्यो की रूपरेखा सदन में किया प्रस्तुत

(भव्य प्रभात)

हाथरस। भारत विकास परिषद हाथरस शाखा का दीक्षा एवं अधिष्ठापन समारोह अलीगढ़ रोड स्थित राधे गार्डन में संपन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष जय शर्मा , सचिव तरुण शर्मा, कोषाध्यक्ष रिचा खंडेलवाल , संयोजक महिला सहभागिता ज्योति सिंह, संयोजक संपर्क सुरेश अग्रवाल, संयोजक संस्कार संगीता वार्ष्णेय, संयोजक सेवा नरेश वर्मा, संयोजक पर्यावरण दीपक भारद्वाज को प्रांतीय महासचिव प्रभात वार्ष्णेय रजनीश ने दायित्व ग्रहण कराया। कार्यक्रम का प्रारंभ मंच सज्जा के बाद वंदे मातरम से हुआ। मुख्य अतिथि भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय संरक्षक एवं पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ केशव दत्त गुप्त, विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय संयोजक संपर्क डॉ अनिल कुमार वार्ष्णेय, प्रांतीय अध्यक्ष संजीव कुमार वार्ष्णेय, दायित्वबोध अधिकारी एवं प्रांतीय महासचिव प्रभात वार्ष्णेय रजनीश, दीक्षा अधिकारी एवं प्रांतीय वित्त सचिव प्रदीप रंजन शर्मा, जिला समन्वयक मुकेश गोयल, भारत को जनों के प्रांतीय उपप्रभारी ऋषि कुमार वार्ष्णेय, गुरु वंदन छात्र अभिनंदन की प्रांतीय उपप्रभारी वर्षा वार्ष्णेय ने संयुक्त रूप से भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद के छवि चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्पार्पण किया ।निवर्तमान अध्यक्ष तरुण अग्रवाल ने सभी आमंत्रित अतिथि एवं सदस्यों का स्वागत किया।निवर्तमान सचिव विनीता दुबे ने सत्र 2024–25 में शाखा द्वारा किए कार्यो की आख्या सदन में प्रस्तुत की। इसके बाद दीक्षाधिकारी प्रदीप रंजन शर्मा द्वारा नवीन सदस्य दंपतियों को राष्ट्र सेवा करने की शपथ ग्रहण कर दीक्षा प्रदान की गई। प्रांतीय अध्यक्ष संजीव वार्ष्णेय द्वारा नवीन दायित्व धारियों अधिकतम सदस्य जोड़ने के लिए बधाई दी गई। नवीन अध्यक्ष जय शर्मा ने शाखा द्वारा इस सत्र में अब तक किए गए कार्य और आगामी किए जाने वाले कार्यो की रूपरेखा सदन में प्रस्तुत की गई कि शाखा द्वारा संस्कार,सेवा, पर्यावरण के वृहद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिनमें राष्ट्रीय समूहगान का प्रांतीय चरण शाखा द्वारा संयोजित किया जाएगा। साथ ही भव्य कवि सम्मेलन, बड़े स्तर पर वृक्षारोपण, भारतीय संस्कृति के परिचय के लिए सदस्यों का भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय संयोजक संपर्क डॉक्टर अनिल कुमार वार्ष्णेय द्वारा अधिक से अधिक संपर्क कार्यक्रम आयोजित कर सदस्य संख्या में वृद्धि करने के लिए प्रेरित किया गया। मुख्य अतिथि डॉक्टर केशव दत्त गुप्त द्वारा भारत विकास परिषद के इतिहास, सेवा कार्यों के बारे में सदन को अवगत कराया गया कि किस प्रकार भारत विकास परिषद देश की सेवा,समाज की सेवा और समाज को संस्कारित करने वाली एक राष्ट्रीय महत्व की संस्था बन चुकी है। नवीन सचिव तरुण शर्मा द्वारा सभी का आभार व्यक्त कर रात्रिभोज के लिए आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम का कुशल एवं आनंदमयी संचालन डॉ बीपी सिंह एवं डॉ नितिन मिश्रा ने किया। आर सी नरूला और राकेश मोहन वशिष्ट ने पंजीकरण कार्य किया। दीक्षा एवं कार्यक्रम से पूर्व शाखा की महिला सदस्यों द्वारा हरियाली तीज का कार्यक्रम मनाया गया जिसको संयोजक महिला सहभागिता ज्योति सिंह ने सुव्यवस्थित एवं आनंद दायक कार्यक्रमों द्वारा महिलाओं के लिए अत्यंत रुचिकर बना दिया इस कार्यक्रम की हरियाली तीज क्वीन डिंपल वार्ष्णेय बनी।कार्यक्रम की व्यवस्था बनाने में प्रवीण खंडेलवाल,गोपाल कृष्ण शर्मा, उद्धव कृष्ण शर्मा, भानु तोमर, नवीन शर्मा, दीपक भारद्वाज, संजय शर्मा, सुमित कुमार वार्ष्णेय (एस आर के),आशीष रस्तोगी, विजय कुमार गुप्ता,डॉ नीरज शर्मा, संजीव सेंगर, संजय गर्ग, प्रदीप वार्ष्णेय, डॉ प्रदीप रावत,मनीष कौशल,मीनाक्षी शर्मा, यशमाला शर्मा,रति मिश्रा,जिया रस्तोगी,पूजा वार्ष्णेय आदि का विशेष योगदान रहा।

पेट्रोल पंप से ईंधन भरवाकर बिना पैसे दिये कार चालक फरार , कर में फंसा रक गया पम्प का नोजल

(भव्य प्रभात)

हाथरस ।पेट्रोल पम्प से ईंधन भरवाकर कर कार चालक बिना पैसे दिये ही पम्प के नोजल को उखाड़ता हुआ फरार हो गया। पूरी घटना पेट्रोल पंप के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।पेट्रोल पंप संचालक ने इस मामले में कोतवाली हाथरस गेट में शिकायत दर्ज कराई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जलेसर रोड स्थित गढ़ी जैनी के श्री बालाजी फ्यूल स्टेशन पर गुरुवार को एक कार चालक ने पंप पर सेल्समैन से गाड़ी की टंकी फुल करने को कहा। कार की ही टंकी फूल होते ही चाल कार स्टार्ट कर तेजी से भागा। इस दौरान गाड़ी में लगे पम्प के नोजल उखाड़ता हुआ भाग गया। घटना की जानकारी पेट्रोल पंप कर्मियों ने तुरंत पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और भागे हुए वाहन का पीछा किया। हालांकि, पुलिस कार चालक को पकड़ने में असफल रही। पुलिस को करीब 2 किलोमीटर आगे पेट्रोल पंप का नोजल मिला, लेकिन कार का कोई पता नहीं चला।

पुरानी पेंशन बहाली के लिये अटेवा का रोष मार्च आज

हाथरस। आज हतीसा से कलेक्ट्रेट हाथरस तक पुरानी पेंशन की बहाली हेतु अटेवा पेंशन बचाओ मंच हाथरस द्वारा रोष मार्च किया जाएगा।

कलेक्ट्रेट हाथरस पर प्रधानमंत्री, एवम मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी के माध्यम से प्रेषित किया जाएगा इस कार्यक्रम हेतु लेखपाल संघ, सेक्रेटरी संघ, न्यायालय कर्मचारी संघ, कलेक्ट्रेट एसोसिएशन, प्राथमिक शिक्षक संघ, जूनियर हाइस्कूल शिक्षक संघ, माध्यमिक शिक्षक संघ, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, यूनाइटेड टीचर एसोसिएशन, विशिष्ट बी टी सी संघ, टी एस सी टी, लोक निर्माण विभाग, नगर पालिका कर्मचारी संघ, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ, विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ, विद्युत विभाग , आदि संघों ने अपना समर्थन दिया एवम सभी इसमें प्रतिभाग करेंगे।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने किया भगवान शिव का रुद्राभिषेक

(भव्य प्रभात)

हाथरस । जय मां नगरकोट कांगड़ा देवी मन्दिर स्थित रावत कॉलोनी अलीगढ़ रोड हाथरस में प्रमुख समाज सेवी वरिष्ठ भाजपा नेता पंअजय रावत प्रदेश मंत्री भाजपा (स० मं०)ने अपने परिवार सहित सावन के पवित्र'श्रावण मास में रुद्राभिषेक 'देवाधिदेव महादेव का पंडित सतीश शर्मा एवं चंद्र मोहन शर्मा जी द्वारा मंत्रोच्चारण कर विधि विधान से किया इस अवसर पर श्री रावत ने देवाधिदेव महादेव से प्रर्थना कि वह सकल जगत का कल्याण करें, सभी के कष्ट हरें और धरा पर सुख, शांति और समृद्धि का संचार करे।

भारत अपने फैसले पर अडिग

पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलेंगे सेमीफाइनल, 31 जुलाई को होना था मैच

नई दिल्ली। विश्व चौंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 का पहला सेमीफाइनल मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच 31 जुलाई को खेला जाना था। हालांकि, भारतीय टीम ने इस मैच में खेलने से इनकार कर दिया है। इससे पहले लीग राउंड के दौरान भी भारत चौंपियंस टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच नहीं खेला था। विश्व चौंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 का पहला सेमीफाइनल मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच गुरुवार को खेला जाना था। इससे पहले भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल मैच खेलने से इनकार कर दिया। बता दें कि, मंगलवार को युवराज सिंह की अगुआई वाली भारत चौंपियंस टीम ने वेस्टइंडीज चौंपियंस को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि, भारत के टूर्नामेंट से नाम वापस लेने पर पाकिस्तान की टीम फाइनल में पहुंच गई है। लीग राउंड में भी भारतीय टीम ने किया था पाकिस्तान से मैच का बहिष्कार भारत और पाकिस्तान के बीच 31 जुलाई को सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाना था। हालांकि, शिखर धवन, इरफान पठान, हरभजन सिंह, युवराज सिंह, सुरेश रैना जैसे दिग्गजों वाली भारतीय टीम ने इस मैच में खेलने से इनकार कर दिया है। यह पहला मौका नहीं है जब भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ मैच का बहिष्कार किया है। इससे पहले भारत ने लीग राउंड के दौरान पाकिस्तान से मुकाबले का बहिष्कार किया था और खेलने से इनकार कर दिया था। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में एबी डिविलियर्स की अगुआई वाली दक्षिण अफ्रीका चौंपियंस टीम ब्रेट ली की अगुआई वाली ऑस्ट्रेलिया चौंपियंस टीम से 31 जुलाई को ही भिड़ेगी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सख्त भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद श्ऑपरेशन सिंदूरश के जरिये पाकिस्तान और पीओके स्थिति आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया था। भारत की इस जवाबी कार्रवाई में कई आतंकी मारे गए थे। इसके बाद पाकिस्तान ने फिर हमले की कोशिश की थी, जिसे भारत ने नाकाम कर दिया था। इस्लामाबाद की कायराना हरकत के बाद टीम इंडिया ने पड़ोसी मुल्क के साथ किसी भी तरह के रिश्ते रखने से इनकार कर दिया था। ईजमाईट्रिप का भी इस मैच पर आया बयान इस बीच ईजमाईट्रिप के संस्थापक और अध्यक्ष निशांत पिट्टी ने ट्वीट किया, श्हम टीम इंडिया, इंडिया चौंपियंस की वर्ल्ड चौंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सराहना करते हैं। आपने देश को गौरवांवित किया है। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ आगामी सेमीफाइनल महज एक और मैच नहीं है। आतंकवाद और क्रिकेट साथ–साथ नहीं चल सकते। हम भारत के साथ खड़े हैं। हम ऐसे किसी भी आयोजन का समर्थन नहीं कर सकते।

भारतीय पहलवान हरदीप ने एथेंस में रचा इतिहास, ग्रीको-रोमन कुश्ती में बने वर्ल्ड चैंपियन

अंडर–17 विश्व कुश्ती चौंपियनशिप में भारत के हरदीप ने 11 किलोग्राम ग्रीको रोमन वर्ग में गोल्ड पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। फाइनल मुकाबले में हरदीप ने ईरान के यजदान रजा डेलरूज को कड़े मुकाबले में क्लाइटेरिया के आधार पर हराया, क्योंकि मैच 3–3 की बराबरी पर खत्म हुआ था। हरदीप ने क्वालिफिकेशन राउंड में कजाखस्तान के बाकतुर सोवेतखान को 2–0 से हराया। राउंड ऑफ 16 में उन्होंने पोलैंड के माटेउस यारोस्लाव टोमेल्का को 4–2 से मात दी। इसके बाद क्वार्टरफाइनल में यूक्रेन के अनातोली नोवाचेंको को 9–0 से पराजित किया। हरदीप ने क्वालिफिकेशन राउंड में कजाखिस्तान के बाकतुर सोवेतखान को 2–0 से हराया। राउंड ऑफ 16 में उन्होंने पोलैंड के माटेउस योरास्लाव टोमेल्का को 4–2 से मात दी। इसके बाद क्वार्टरफाइनल में यूक्रेन के अनातोली नोवाचेंको को 9–0 से पराजित किया। सेमीफाइनल में हरदीप ने तुर्किए के एमरूल्लाह कापकान को 4–2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया और अंततरू ऐतिहासिक गोल्ड पदक अपने नाम किया। हरदीप की ये जीत भारत के युवा कुश्ती प्रतिभाओं के लिए एक प्रेरणा है।

केएल राहुल की डिमांड बढ़ी, बल्लेबाज को ये फ्रेंचाइजी खरीदने को बेकरार, लुटा सकती है 25 करोड़ रुपये

इन दिनों भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज में टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल बेहतरीन फॉर्म में नजर आ रहे हैं। अब तक वो दो शतक लगा चुके हैं और इसी बीच एक ऐसी खबर सामने आई है जो वाकई चौंकाने वाली है। दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आईपीएल 2026 के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स केएल राहुल को अपनी टीम में ना सिर्फ शामिल करना चाहती है बल्कि उन्हें बतौर कप्तान भी बनाना चाहती है। फिलहाल, राहुल दिल्ली कैपिटल्स का अहम हिस्सा हैं। वहीं आईपीएल के नए सीजन के लिए केकेआर उन्हें दिल्ली से ट्रेड के जरिए अपने स्क्वाड में चाहती है। दरअसल, केकेआर केएल राहुल को खरीदने के मूड में दिख रही है क्योंकि उसे एक कप्तान की जरूरत है। पिछले सीजन उसका नेतृत्व अजिंक्य रहाणे ने किया था टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाई और उसका प्रदर्शन खराब रहा लेकिन अब केकेआर बड़े बदलाव के मूड में है। जिस कारण वह केएल राहुल को अपना कप्तान बनाना चाह रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यहां तक है कि केएल राहुल के लिए केकेआर 25 करोड़ रुपये तक खर्च करने को तैयार है। केएल राहुल अच्छे बल्लेबाज ही नहीं बल्कि एक कप्तान और विकेटकीपर की भूमिका भी बखूबी निभाते हैं। ऐसे में केकेआर उनके लिए इतनी रकम तो खर्च कर सकता है।

मैच बॉयकॉट करने पर भारतीय खिलाड़ियों ने जारी किया बयान

वर्ल्ड चौंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के सेमीफाइनल में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला आज यानी 31 जुलाई को होना था, जो कि रद्द हो गया है। इस दौरान भारतीय खिलाड़ी युवराज सिंह, हरभजन सिंह, शिखर धवन ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया। इस कारण से भारत–पाक मैच को रद्द करने का फैसला किया और पाकिस्तान को फाइनल में बिना मुकाबला खेले ही सीधे एंट्री मिल गई। इंडिया चौंपियंस की टीम ने एक सदस्य ने कहा कि देश से ऊपर कुछ भी नहीं है और इसलिए उन्हें इस फैसले पर कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर फाइनल में भी पाकिस्तान से मुकाबला होता तो वे फिर भी नहीं खेलते। भारत–पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव की शुरुआत पहलगाम आतंकी हमले से हुई। जहां बैसरन घाटी में 5 आतंकियों ने 26 पर्यटकों पर हमला किया था जिसमें ज्यादातर लोग हिन्दू थे, जबकि एक ईसाई पर्यटक और एक स्थानीय मुस्लिम शख्स भी मारा गया था। उसके बाद भारतीय सेना की ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी अस्वस्थ राजनैतिक स्थिति है।

रिलायंस की नजर ब्लॉकबस्टर जियो आईपीओ पर, 52000 करोड़ से ज्यादा मूल्य के 5ः शेयर जारी करने की योजना

मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत के इतिहास के सबसे बड़े आईपीओ की तैयारी कर रही है, क्योंकि कंपनी अपनी दूरसंचार इकाई, जियो इन्फोकॉम को सार्वजनिक करने पर विचार कर रही है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह समूह कंपनी में 5ः हिस्सेदारी बेचकर 52,200 करोड़ रुपये (करीब 6 अरब डॉलर) जुटाने की योजना बना रहा है। और भारत के अब तक के सबसे बड़े सार्वजनिक निर्गमों में से एक के लिए मंच तैयार हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि समूह ने सामान्य से कम सार्वजनिक निर्गम के लिए मंजूरी लेने हेतु भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ अनौपचारिक बातचीत शुरू कर दी है।

भारत के सूचीबद्धता मानदंडों के अनुसार, आमतौर पर न्यूनतम 25ः सार्वजनिक शेयरधारिता अनिवार्य है, लेकिन रिलायंस का तर्क है कि स्थानीय बाजार में इतनी बड़ी पेशकश को अपनाने की क्षमता का अभाव है। अगर मंजूरी मिल जाती है, तो यह आईपीओ अगले साल की शुरुआत में ही बाजार में आ सकता है। 5ः का मामूली फ्लोट भी कई अन्य लिस्टिंग को पीछे छोड़ देगा और इसे भारत के इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ बना देगा, जिससे हुंडई इंडिया का ₹28,000 करोड़ का पब्लिक फ्लोट काफी पीछे रह जाएगा। मौजूदा नियामक नियमों के अनुसार कंपनियों को न्यूनतम 25ः पब्लिक फ्लोट बनाए रखना जरूरी है। हालाँकि, ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार रिलायंस ने सेबी को बताया है कि बाजार में बड़ी फ्लोटिंग को समाहित करने के लिए पर्याप्त तरलता नहीं हो सकती है। सूत्रों ने ब्लूमबर्ग को बताया कि कंपनी छोटी फ्लोटिंग के लिए संभावित छूट की मांग कर रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि हालाँकि आईपीओ अगले साल की शुरुआत में लॉन्च हो सकता है, लेकिन समय–सीमा और आकार बाजार की स्थितियों पर निर्भर करेगा। इस महीने की शुरुआत में, रॉयटर्स ने बताया था कि 2025 तक आईपीओ की संभावना नहीं है। आरआईएल को जियो के उच्च मूल्यांकन को उचित ठहराने के लिए मजबूत राजस्व वृद्धि, बड़े ग्राहक आधार और विस्तारित डिजिटल उपस्थिति का इंतजार है, जिसका वर्तमान में विश्लेषकों द्वारा मूल्यांकन 100 अरब डॉलर से अधिक आंका गया है। फिलहाल, सभी की निगाहें आरआईएल की वार्षिक आम बैठक पर टिकी हैं, जो संभवतः अगस्त में होने वाली है, ताकि लिस्टिंग की रूपरेखा पर कोई संकेत मिल सके। सिटी ने एक हालिया रिपोर्ट में लिखा है, ष्वार्षिक आम बैठक में, हमें उम्मीद है कि बाजार जियो के आईपीओ योजनाओं के बारे में अपडेट के लिए तैयार रहेगा, खासकर संभावित।

157 टेस्ट के बाद रूट और सचिन तेंदुलकर के आंकड़ों की तुलना

नई दिल्ली। रूट ने अभी तक 157 टेस्ट खेले हैं और हम उनकी तुलना सचिन के 157 टेस्ट के बाद के आंकड़ों से कर रहे हैं। आइए जानते हैं 157 टेस्ट के बाद रूट और तेंदुलकर में किसने सबसे ज्यादा रन बनाए थे, किसके शतक और अर्धशतक ज्यादा थे... पिछले पांच साल में इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने टेस्ट में शतकों का अंबार लगा दिया है। एक जनवरी, 2021 से लेकर अब तक रूट ने टेस्ट में सबसे ज्यादा 21 शतक जड़े हैं और सबसे ज्यादा रन भी बनाए हैं। वह जिस फॉर्म में हैं, ऐसा माना जा रहा है कि कुछ वर्षों में महान सचिन तेंदुलकर के टेस्ट रन के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे। टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में रूट 15,921 रनों के साथ शीर्ष पर हैं, वहीं 34 वर्षीय रूट ने भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट में शानदार 150 रन की पारी खेली और उनके अब 13,409 रन हो गए हैं। वह टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में दूसरे नंबर पर हैं। रूट सचिन से फिलहाल 2512 रन पीछे हैं। रूट ने साल 2021 से टेस्ट में 56.42 की औसत से 5586 रन बनाए हैं।

भव्य प्रभात

ट्रंप का टैरिफ युद्ध

राष्ट्रपति पद संभालने के तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने संरक्षणवादी एजेंडे के साथ ही चीन, कनाडा व मैक्सिको पर भारी–भरकम टैरिफ थोपकर व्यापार युद्ध की शुरुआत कर दी है। ट्रंप के फैसले से वैश्विक बाजारों में भूचाल है। इन तीनों देशों द्वारा इसका जबाव देने की घोषणा से विश्व व्यापार युद्ध शुरू होने की आशंका पैदा हो गई है। दरअसल, अमेरिका ने अपने शीर्ष व्यापारिक सहयोगी कनाडा व मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीनी सामानों पर 10 प्रतिशत टैफिक थोपकर उन्हें आर्थिक प्रतिशोध हेतु बाध्य कर दिया है। कनाडा ने अमेरिकी आयात पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है तो मैक्सिको भी ऐसा मन बना रहा है। वहीं चीन पिछली टैरिफ लड़ाइयों से परेशान होकर रणनीतिक प्रतिशोध को तैयार है। वह इस मामले को विश्व व्यापार संगठन तक ले जाने की बात कर रहा है। हालांकि, भारत फिलहाल ट्रंप की संरक्षणवादी कार्रवाई से बचा नजर आता है। भारत ने टैरिफ कटौती की दिशा में कदम उठाते हुए ट्रंप के उस टैरिफ दुरुपयोग के आक्षेप से बचने का प्रयास किया है, जिसको लेकर ट्रंप भारत को निशाने पर लेते हैं। दरअसल, भारत में शीर्ष तीस अमेरिकी वस्तुओं पर आयात शुल्क मसलन कच्चे पेट्रोलियम से लेकर हार्ले–डेविडसन मोटर साइकिल तक पर मामूली टैरिफ हैं। निस्संदेह, यह रणनीतिक कदम न केवल तत्काल अमेरिकी प्रतिशोध को रोकता है बल्कि वैश्विक आपूर्ति शृंखला में एकीकृत होने के लिये भारत की प्रतिबद्धता का भी संकेत देता है। जैसा कि केंद्रीय बजट 2025–26 में रेखांकित किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत अमेरिकी व्यापार घाटे में केवल 3.2 प्रतिशत का ही कारक है। इसकी वजह यह भी है कि भारत के तेजी से बढ़ते फार्मास्युटिकल और कीमती धातुओं के निर्यात फिलहाल कमजोर बने हुए हैं। यह अच्छी बात है कि ट्रंप ने पहले टैरिफ वार से भारत को राहत दी है, लेकिन वैश्विक व्यापार युद्ध से भारत में विदेशी निवेश प्रभावित हो सकता है। असर रुपये की सेहत पर भी पड़ेगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी अमेरिका यात्रा से द्विपक्षीय व्यापार खिड़की खुलने की संभावना है। वहीं ट्रंप की इस कार्रवाई का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि सामान पर टैरिफ बढ़ाए जाने से चीनी उत्पाद महंगे होंगे, तो भारतीय निर्यातक अमेरिका बाजार में नये अवसर तलाश सकते हैं। खासकर कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटो पार्ट्स के क्षेत्र में। लेकिन इसके बावजूद भारत को सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए। इस टैरिफ जंग का एक पहलू यह भी कि अमेरिका में उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। ट्रंप ने अमेरिकी लोगों को मुश्किल समय के लिये तैयार रहने के लिये कहा है। आशंका है कि इससे भारत के सबसे बड़े निर्यात बाजारों में से एक में मांग कम हो सकती है। वहीं दूसरी ओर कोई भी अमेरिकी व्यापारिक प्रतिबंध अंततरू भारत के प्रमुख उद्योगों को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, हमने उभरते वैश्विक आर्थिक युद्ध से बचने के लिये व्यावहारिक टैरिफ रणनीति को अपनाया है, लेकिन अभी भी बड़े वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंका खत्म नहीं हुई है। हालिया केंद्रीय बजट में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने टैक्स में छूट देकर मध्य वर्ग को खुश तो किया है, लेकिन ट्रंप के व्यापार युद्ध की घोषणा से भारत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ऐसे में भारत को व्यापार संतुलन को बनाये रखने और ग्लोबल इकॉनमी पर संभावित नकारात्मक प्रभाव के लिये तैयार रहना होगा। आशंका है कि कनाडा, मैक्सिको व चीन के बाद ट्रंप यूरोप को भी निशाने पर ले सकते हैं। एक अनिश्चितता पैदा हुई है कि यह टैरिफ युद्ध कितना और किस दिशा में बढ़ता है। आर्थिक विशेषज्ञ कयास लगा रहे हैं कि मोदी की अमेरिका यात्रा में ट्रंप भारत से व्यापार असंतुलन दूर करने को कह सकते हैं। वहीं दूसरी ओर भारत अमेरिका से आधुनिक अस्त्र, कच्चा तेल व प्राकृतिक गैस तथा कृषि उत्पाद आयात बढ़ाकर टैरिफ युद्ध की छाया से बच सकता है। बाकी कुछ ट्रंप की प्राथमिकताओं पर भी निर्भर करेगा। लेकिन साथ ही भारत को विश्व व्यापार संगठन के सभी देशों के लिए समान टैरिफ नियम का भी पालन करना होगा। आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य भी सामने हैं।

प्राकृतिक व जैविक खेती ही समाधान

राज कुमार सिन्हा

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सेवा–निवृत्ति के बाद प्राकृतिक खेती करने की योजना जलवायु परिवर्तन के लिहाज से खासी महत्वपूर्ण है। प्राकृतिक और जैविक खेती ऐसी कृषि पद्धति है जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना उत्पादन बढ़ा सकती है। प्राकृतिक खेती से कार्बन उत्सर्जन में 35फीसदी से 50फीसदी तक की कमी आ सकती है। प्राकृतिक खेती, जिसे नो–इनपुट या जीरो–बजट खेती कहा जाता है, बाहरी इनपुट (जैसे उर्वरक, कीटनाशक, यहां तक कि खाद) के

उपयोग को कम या खत्म करने पर जोर देती है और इसकी बजाय प्राकृतिक प्रक्रियाओं, जैसे कि मिट्टी के सूक्ष्मजीवों और केंचुओं द्वारा कार्बनिक पदार्थों के अपघटन को प्रोत्साहित करती है। जुताई (मिट्टी को जोतना) से बचने वाली प्राकृतिक खेती को आमतौर पर कम लागत वाली कृषि माना जाता है, क्योंकि इसमें बाहरी इनपुट की आवश्यकता नहीं होती। जैविक खेती को आमतौर पर प्रमाणीकरण की आवश्यकता होती है, जबकि प्राकृतिक खेती के लिए प्रमाणीकरण आवश्यक नहीं है। प्राकृतिक खेती एक ऐसा व्यापक दृष्टिकोण है जो प्राकृतिक प्रक्रियाओं पर निर्भर करता है, जबकि जैविक खेती एक विशिष्ट प्रणाली है जो जैविक इनपुट पर जोर देती है। प्राकृतिक खेती मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों को बढ़ाकर, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करती है और कार्बन डाइऑक्साइड को वातावरण से हटाकर मिट्टी में जमा करती है। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को बंद करने से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने में मदद होती है। प्राकृतिक खेती में मिट्टी की जल–धारण क्षमता में सुधार होता है, जिससे जल–संरक्षण होता है और सूखे और बाढ़ जैसी चरम मौसम की घटनाओं के प्रति लचीलापन बढ़ता है। प्राकृतिक खेती जैव–विविधता को बढ़ावा देती है और जलवायु परिवर्तन के प्रति फसलों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। विभिन्न प्रकार की फसलों को उगाना, मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और कीटों और बीमारियों को नियंत्रित करने में मदद करता है। हजारों वर्षों के अनुभव से विकसित हुई वर्षा आधारित स्थायी या टिकाऊ खेती का विज्ञान मूलतः पुनर्चक्रण से जुड्घ हुआ है। प्राकृतिक खेती पर हुए शोध दर्शाते हैं कि इस विधि से विपरीत परिस्थितियों में भी बेहतर उत्पादन लिया जा सकता है। इस विधि से उगाई फसलें सूखे, अतिवर्षा में भी खड़ी रहती हैं। मिश्रित खेती अपनाने से एक ही खेत में कई फसलें ली जा सकती हैं जिससे किसान को नियमित आय सुनिश्चित होती है। इस खेती में पानी की खपत बाकी विधियों के मुकाबले 40 प्रतिशत तक कम है और इसमें फसल सुरक्षा के लिए स्थानीय वनस्पतियों को ही प्रयोग किया जाता है। कृषि ग्रीनहाउस गैसों का एक प्रमुख स्रोत है जिससे भविष्य में खाद्य–सुरक्षा के लिए चुनौती उत्पन्न होने की संभावना है। जल के बढ़ते उपयोग और सूखे के कारण उत्पादन के लिए पानी की कमी हो सकती है। वैश्विक खाद्य–सुरक्षा पर्याप्त खाद्य–उत्पादन और खाद्य–पहुंच, दोनों पर निर्भर करती है। जलवायु परिवर्तन पर अंतर–सरकारी पैनल (आईपीसीसी) की आम सहमति है कि 1950 से अब तक जलवायु में व्यापक परिवर्तन हो चुका है और इस सदी के उत्तरार्ध में वैश्विक औसत तापमान में 0.4 से 2.6एष्ट की वृद्धि होने की संभावना है। तापमान और कार्बन डाइऑक्साइड में क्रमिक वृद्धि के परिणामस्वरूप कुछ फसलों की पैदावार बढ़ाने वाली अनुकूल परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं, लेकिन कुछ क्षेत्रों में फूल आने के दौरान होने वाली चरम घटनाओं, विशेष रूप से अत्यधिक गर्मी और सूखे के कारण यह संभावित वृद्धि सीमित हो सकती है। जलवायु परिवर्तन के कारण 21वीं सदी में फसल उत्पादन में कमी आने का अनुमान है। जलवायु परिवर्तन वैश्विक कृषि व्यवस्था पर वृहद प्रभाव डालता है। दूसरी ओर, कीटनाशकों के प्रयोग से भूजल और पर्यावरण में जहर घुल रहा है। पृथ्वी में पाए जाने वाले मित्र कीट खत्म हो रहे हैं। खेती में रासायनिक खाद का इस्तेमाल होने से मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा हो गया है। इस अनाज के सेवन से कैंसर, रक्तचाप और अन्य बीमारियों के खतरे बढ़ गए हैं। भारत सरकार ने वित्त–वर्ष 2025–26 में उर्वरक सब्सिडी के लिए 1.67 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट निर्धारित किया है, जो भारत के कृषि बजट का लगभग 70 फीसदी है। भारतीय कृषि के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना है–1967–68 में शुरू हुई हरित क्रांति। इसकी मुख्य बात थी– सिंचाई की गारंटी के साथ अधिक फसल वाले बीजों, अधिक उर्वरक और कीटनाशकों का इस्तेमाल। हरित क्रांति के कारण देश खाद्यान्न में आत्मनिर्भर तो हो पाया, लेकिन 1980 के दशक से हरित क्रांति भी संकट में फंस गई। खेती में बढ़ती लागत के कारण किसान कर्ज के दलदल में फंसकर आत्महत्या करने को विवश हो गए। इस दलदल से किसानों को निकालने के लिए भी गृहमंत्री का ताजा सुझाव महत्वपूर्ण है। डाउन टू अर्थ पत्रिका के अनुसार जलवायु परिवर्तन के कारण भारत ने एक जनवरी से 31 दिसंबर 2024 के 366 में से 322 दिनों में चरम मौसमी घटनाओं का सामना किया है। इन घटनाओं में 3,472 लोगों की जानें गईं और 40.7 लाख हेक्टेयर कृषि क्षेत्र को नुक्सान पहुंचा। सरकार की ओर से जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिहाज से किसानों को रसायन मुक्त कृषि के प्रति प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि में स्थिरता बनाए रखने के लिए किसानों को श्जैविक खेतीश जैसी टिकाऊ प्रणालियों को अपनाना चाहिए। भारत में लगभग 14 करोड़ हेक्टेयर भूमि पर खेती की जाती है, जिसमें से लगभग 65 लाख हेक्टेयर में जैविक खेती होती है। मध्यप्रदेश में अब जैविक खेती का विस्तार कर इसे 17 लाख हेक्टेयर से 20 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। किसान एवं कृषि कल्याण विभाग के अनुसार मध्यप्रदेश में प्रतिवर्ष लगभग 15 लाख टन जैविक उत्पाद तैयार हो रहा है।

इसमें पांच लाख टन से अधिक जैविक उत्पाद निर्यात किया जाता है। भारत में जैविक उत्पादों की मांग और उत्पादन दोनों में वृद्धि हो रही है। भारतीय जैविक बाजार 16,800 करोड़ रुपये का है। मध्यप्रदेश के मंडला, डिण्डोरी, बालाघाट, छिंदवाड़ा, बैतूल, कटनी, उमरिया, अनूपपुर जिलों में श्जैविक खेतीश प्रमुखता से की जा रही है। भारत के जैविक खाद्यान्न का एक बड़ा हिस्सा छोटे और सीमांत किसानों द्वारा उत्पादित किया जाता है। इनमें से कई किसानों के लिए, श्जैविक खेतीश लागत कम करते हुए अपनी आजीविका में सुधार लाने का एक जरिया बन गई है। हमारे नीति निर्धारकों का दायित्व है कि वे किसानों को केन्द्र में रखकर, कृषि पारिस्थितिकी वाले तरीकों पर ध्यान दें जो देश के लिए टिकाऊ खाद्य–सुरक्षा और किसानों के लिए आजीविका सुनिश्चित कर सकें।

फैटी लिवर और हार्ट अटैक, दोनों ही बीमारियां गंभीर होती हैं और इनका सीधा संबंध हमारी जीवनशैली से है। आजकल फैटी लिवर की समस्या तेजी से बढ़ रही है और कई लोग इस सवाल से परेशान रहते हैं कि क्या फैटी लिवर से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है?

इस सवाल का जवाब देते हैं भारत के जाने–माने लिवर विशेषज्ञ डॉ. शिव कुमार सरीन, जो कहते हैं कि लिवर शरीर का एक ऐसा अंग है जो हमारे बाकी अंगों की सेहत से जुड़ा हुआ है। अगर लिवर कमजोर होता है, तो उसका असर दिल, किडनी, ब्लड प्रेशर और यहां तक कि कैंसर जैसी बीमारियों तक पहुंच सकता है।

कैसे बढ़ता है हार्ट अटैक का खतरा?

जब किसी को फैटी लिवर की बीमारी होती है, तो लिवर में चर्बी जमा हो जाती है। इससे लिवर की काम करने की क्षमता घट जाती है और खाना पचाने में दिक्कत आती है। इसके कारण शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) का स्तर बढ़ने लगता है।जैसे–जैसे खराब कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, दिल की धमनियों में ब्लॉकेज बनने लगता है, जिससे हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट का खतरा बढ़ जाता है। फैटी लिवर और हार्ट अटैक के कुछ लक्षण भी एक जैसे होते हैं जैसे–

मोटापा
हाई ब्लड प्रेशर
हाई शुगर लेवल

एक्सपर्ट्स ने बताए बचाव के उपाय

वजन कंट्रोल में रखें

अपने वजन को अपनी ऊंचाई के अनुसार संतुलित रखना बहुत जरूरी है। उदाहरण के लिए, अगर आपकी हाइट 170 सेंटीमीटर है, तो आपका वजन लगभग 70 किलो के आसपास होना चाहिए। यह वजन आपकी सेहत और लिवर दोनों के लिए अनुकूल माना जाता है। फैटी लिवर की समस्या वाले लोगों को खासतौर पर वजन कम करने पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि अतिरिक्त वजन लिवर पर अतिरिक्त दबाव डालता है और वसा जमा होने की प्रक्रिया तेज कर देता है। अगर आपकी फैटी लिवर की समस्या जेनेटिक यानी परिवार में पहले से है, तो डॉक्टर वजन को और कम, करीब 65 किलो तक रखने की सलाह देते हैं। नियमित व्यायाम और सही खान–पान के साथ वजन नियंत्रित करना लिवर को स्वस्थ बनाए रखने का एक अहम तरीका है।

कमर पतली रखें

फैटी लिवर से जुड़ी समस्याओं को कम करने के लिए अपनी कमर का माप भी बहुत मायने रखता है। महिलाओं के लिए वेस्ट–हिप रेशियो यानी कमर और हिप के अनुपात को 0.7 और पुरुषों के लिए 0.9 तक बनाए रखना स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर माना जाता है। डॉ. सरीन बताते हैं कि अक्सर लोग अपनी कमर के अनुसार कपड़े नहीं बल्कि कपड़ों के हिसाब से अपनी फिटनेस को तौलते हैं, जो गलत है। इसका मतलब यह है कि आपको अपनी कमर को फिट रखने के लिए खुद को व्यायाम और संतुलित आहार के जरिए तैयार करना होगा। नियमित एक्सरसाइज से न केवल वजन घटता है बल्कि शरीर में जमा अतिरिक्त फैट भी कम होता है, जो लिवर और दिल दोनों के लिए फायदेमंद है।

गर्दन पर मस्से और काली लाइनें

यदि आपकी गर्दन के पास मस्से या काली रेखाएं यानी 'मैल' जैसी निशानियां दिखने लगें, तो यह फैटी लिवर की शुरुआती चेतावनी हो सकती हैं। यह त्वचा पर एक तरह का संकेत होता है जो बताता है कि आपके शरीर में इंसुलिन रेजिस्टेंस या लिवर की समस्या बढ़ रही है। ऐसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि ये संकेत जल्दी जांच और इलाज की जरूरत बताते हैं। अगर आपको ये निशान दिखें, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और अपनी पूरी जांच करवाएं ताकि समय रहते लिवर की बीमारी का पता चल सके और उसका सही उपचार शुरू हो।

देसी घी खाएं

आजकल बाजार में कई तरह के तेल उपलब्ध हैं, लेकिन लिवर की सेहत के लिए घर का बना हुआ शुद्ध देसी घी सबसे बेहतर विकल्प माना जाता है। तेल के मुकाबले देसी घी लिवर को नुकसान नहीं पहुंचाता बल्कि उसे स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।

देसी घी में स्वस्थ वसा होती हैं जो शरीर में आवश्यक ऊर्जा देती हैं और लिवर की सफाई में भी सहायता करती हैं। ध्यान रखें कि घी की मात्रा सीमित और उचित होनी चाहिए, ज्यादा घी भी नुकसान पहुंचा सकता है। रोजाना की डाइट में घी को शामिल करना, खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जिनका लिवर कमजोर है या फैटी लिवर की समस्या से जूझ रहे हैं।

क्या न करें?

बाहर का तला–भुना और पैक्ड फूड खाने से बचें।
मीठे और ज्यादा फैट वाले खाद्य पदार्थ न खाएं।
रोजाना वॉक और एक्सरसाइज करें।
अगर परिवार में फैटी लिवर या हार्ट की बीमारी रही है, तो नियमित रूप से जांच करवाएं।

फैटी लिवर के लक्षण

लगातार थकान महसूस होना
पेट के ऊपरी दाहिने हिस्से में दर्द
पेट फूला हुआ लगना या सूजन
वजन तेजी से घटना
स्किन में खुजली और पैरों में सूजन

फैटी लिवर कोई मामूली बीमारी नहीं है। यह अगर समय रहते न सुधारी जाए, तो हार्ट अटैक जैसी गंभीर स्थिति पैदा कर सकती है। इसलिए जरूरी है कि समय पर जांच कराएं, अपनी लाइफस्टाइल सुधारें और डॉक्टर की सलाह का पालन करें।

हमारे जीवन में वास्तु शास्त्र का बहुत महत्व है। यह शास्त्र हमारे घर, कामकाजी जगह, और दैनिक जीवन के हर पहलू में असर डालता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, हर समय का अपना महत्व है और हमें समय के अनुसार कुछ चीजों को ध्यान में रखकर कार्य करना चाहिए। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि शाम के समय किन पांच चीजों से बचना चाहिए, क्योंकि यह घर में दरिद्रता का कारण बन सकती हैं।

शाम को झाडू नहीं लगाना चाहिए

शाम के समय घर में झाडू लगाना वास्तु शास्त्र के अनुसार गलत माना जाता है। यह देवी लक्ष्मी को नाराज कर सकता है और घर में दरिद्रता का प्रवेश कर सकता है। इसलिए शाम के समय घर में सफाई करते समय झाडू न लगाएं। यह मान्यता है कि शाम के समय झाडू लगाने से घर में धन की कमी हो सकती है और आर्थिक संकट उत्पन्न हो सकते हैं।

शाम को फल या फूल नहीं तोड़ना चाहिए

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सूर्यास्त के समय फल और फूल तोड़ने से बचना चाहिए। ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार हो सकता है। इसके अलावा, यह भी माना जाता है कि देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु के आशीर्वाद से जुड़ा हुआ यह समय होता है, और इस समय यह कार्य करने से उनके आशीर्वाद में कमी आ सकती है।

शाम को उधार देना या लेना नहीं चाहिए

वास्तु शास्त्र में यह भी कहा गया है कि सूर्यास्त के समय पैसे उधार देना या लेना घर में क्लेश और तंगी ला सकता है। यह कार्य रात के समय करना शुभ माना जाता है। अगर आप शाम के समय पैसे उधार लेते या देते हैं तो भविष्य में उधारी चुकता करने में दिक्कत हो सकती है और आर्थिक संकट उत्पन्न हो सकते हैं।

तुलसी के पत्ते शाम के समय नहीं तोड़ने चाहिए

तुलसी के पत्ते भगवान विष्णु को प्रिय होते हैं और उन्हें शुभ माना जाता है। लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार, शाम के समय तुलसी के पत्ते तोड़ना मना है। इससे भगवान विष्णु नाराज हो सकते हैं और इसके कारण घर में आर्थिक तंगी और अन्य परेशानियां आ सकती हैं। इसलिए, शाम के समय तुलसी के पत्ते तोड़ने से बचना चाहिए।

मुख्य द्वार बंद नहीं रखना चाहिए

वास्तु शास्त्र में यह कहा गया है कि घर का मुख्य द्वार हमेशा खुले रखना चाहिए, खासकर सूर्यास्त के समय। सूर्यास्त के बाद लक्ष्मी माता का घर में प्रवेश मुख्य द्वार से होता है। अगर आप सूर्यास्त के समय घर का मुख्य द्वार बंद रखते हैं, तो लक्ष्मी माता का आगमन रुक सकता है, जिससे घर में धन की कमी हो सकती है।

क्लेश और झगड़े से बचना चाहिए

शाम के समय घर में किसी भी प्रकार का विवाद, क्लेश या झगड़ा नहीं करना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, ऐसा करने से घर की सुख–शांति भंग होती है और नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है। घर के माहौल को शांत और सकारात्मक बनाए रखना चाहिए ताकि लक्ष्मी का वास बना रहे और घर में खुशहाली बनी रहे।

किसी को खाली हाथ नहीं भेजना चाहिए

यदि शाम के समय आपके घर पर कोई व्यक्ति कुछ मांगने आए, तो उसे खाली हाथ वापस भेजना नहीं चाहिए। यह वास्तु शास्त्र के अनुसार अशुभ माना जाता है। अगर आप किसी को शाम के समय खाली हाथ भेजते हैं, तो इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार हो सकता है। इसलिए, इस समय किसी को खाली हाथ न भेजें और उनके साथ सहानुभूति दिखाएं। इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए आप शाम के समय अपने घर को और जीवन को सकारात्मक ऊर्जा से भर सकते हैं। वास्तु शास्त्र के इन सरल नियमों को अपनाकर आप अपने घर में सुख–शांति और समृद्धि ला सकते हैं।